आध्यात्मिकता से समाप्त होगी धार्मिक रूढ़िवादिता - मूसाहारी

गुवाहाटी। धार्मिक रूढ़िवादिता को आध्यात्मिकता से खत्म कर सकते हैं। भारतीय संस्कृति और धर्म में दयाभाव को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। क्योंकि दया भाव होने से व्यक्ति भ्रष्ट नहीं बनता है।

उक्त उद्‌गार मेघालय के राज्यपाल आर.एस.मूसाहारी ने ब्रह्माकुमारीज् द्वारा रूपनगर में राजनीतिज्ञों के लिए आयोजित 'विजन फॉर ए हैपी सोसायटी' कार्यक्रम में विभिन्न दलों के नेताओं को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि संसाधनों का उपयोग देश और जनता की भलाई के कार्यों में करना चाहिए और इसके लिए अफसरों एवं राजनीतिज्ञों के लिए कोई सीमा नहीं होती है। लक्ष्मण रेखा सदैव गलत कार्यों के लिए होती है न कि अच्छे कार्यों के लिए। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ के द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक ऐसी संस्था है जो अहिंसा के मार्ग पर चलकर तथा नि:स्वार्थ भाव से समाज को स्वच्छ बनाने का कार्य कर रही है। यह हम सभी के सामने उदाहरण के रूप में है। हम सभी को भी इसका अनुसरण कर अपना जीवन श्रेष्ठ बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मन हमारा मित्र है तो हमारा शत्रु भी है। यदि हम अपने जीवन में पवित्रता को अपनाकर मन को स्वच्छ बनाते हैं तो हम एक अच्छा इंसान बन जाते हैं।

गुवाहाटी। राजनीतिज्ञों के लिए आयोजित 'विजन फॉर ए हैपी सोसायटी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेघालय के राज्यपाल आर.एस.मूसाहारी तथा मंचासीन हैं संस्था की अतिरिक्त सह मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.आशा, ब्र.कु.ऊषा, ब्र.कु.शीला, ब्र.कु.बिन्नी एवं ब्र.कु.कविता।

संस्था की अतिरिक्त सह मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि हम सभी के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का 'राम राज्य' लाने का सपना था उसे हमें ही साकार करना है और पुन: भारत को अपने मूल स्वरूप में स्थापित करना है। जिसे हम सभी स्वर्णिम दुनिया के नाम से जानते हैं जहां देवी और देवताओं का राज्य था। जहां हर मानव सुखी एवं सम्पन्न था। हम सभी आत्माओं के पिता परमात्मा हैं जिन्हें हम भिन्न-भिन्न नामों से जानते हैं। दादी जी ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन के द्वारा हम अपना सम्बन्ध पिता परमात्मा से जोड़ते हैं जिससे उनकी शक्तियां स्वयं में समाने लगती है और मानव दिव्यगुणों से सम्पन्न बन जाता है।

शिक्षिका ब्र.कु.ऊषा ने राजयोग मेडिटेशन के द्वारा सभी को आत्मिक स्थिति का अभ्यास कराया एवं गहन शांति की अनुभूति करायी। ग्लोबल हॉस्पीटल की ब्र.कु.बिन्नी ने संस्था का परिचय दिया, गोवाहाटी की ब्र.कु.शीला ने सभी अतिथियों का आभार प्रगट किया एवं मंच का कुशल संचालन अगरतला की ब्र.कु.कविता ने किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री पृथ्वी मांझी, संसदीय सचिव भूपेन बोरा, विधायक कैप्टन रॉबिन बोरडोलोई सहित अनेक सांसद, मंत्री, विधायक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शक्तिशाली स्व-स्थिति से बदल जाती हैं परिस्थितियां - प्रसाद

ज्ञानसरोवर। स्व-स्थिति यदि शक्तिशाली है तो कैसी भी विपरीत परिस्थितियां आएं तो भी आप विचलित नहीं हो सकते। पिछले दो वर्षों से नियमित इस आध्यात्मिक ज्ञान के श्रवण एवं राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से कार्यक्षेत्र में यह प्रेक्टिकल अनुभव किया है। स्वयं को आध्यात्मिकता के रंग में रंगने से बाह्य चीजें आप पर अपना रंग नहीं लगा सकतीं।

उक्त विचार सेन्ट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेन्ट (सी.पी.डब्ल्यू.डी.) के पूर्व डायरेक्टर सी.एस.प्रसाद ने ब्रह्माकुमारीज साइंटिस्ट इंजीनियरिंग विंग द्वारा 'जीवन उत्सव' विषय पर आयोजित सेमिनार को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि बाहरी दिखावटी प्रलोभनों में फंसने के बजाय अंदर की सत्यता को पहचानने से जीवन को दुखद बातों से बचाया जा सकता है। अपना दीपक खुद बन आंतरिक प्रकाश की ओर बढ़ना चाहिए। अपने अंतर्मन को प्रकाशित करन की आवश्यकता है। प्रभु की याद ही दया बनकर बरसती है। जीवन को ईश्वरीय याद रूपी चार्जर से चार्ज करते रहें।

ज्ञानसरोवर। दीप प्रज्ज्वलित कर उद्‌घाटन करते हुए सी.एस.प्रसाद, एस.सी.गोयल, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.निर्वैर, ब्र.कु.भरत, ब्र.कु.मोहन सिंघल, प्रो.स्वामीनाथन, ब्र.कु.पीयूष तथा अन्य।

रिलायंस इण्डस्ट्रीज लिमि.मुम्बई के उपाध्यक्ष एस.सी.गोयल ने कहा कि आत्म-ज्योति को जगाकर यहां से जाएं, यह आध्यात्मिक ऊर्जा से सम्पन्न स्थान अनुभव करने और कराने के लिए है। अच्छाइयों को जीवन में धारण करें तो बुराइयां अपने आप दूर होती जाएंगी।

ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि खुश रहने एवं सर्व को खुशी बांटने से जीवन उत्सव बन जाता है। मैं आत्मा हूँ यह देह नहीं और मेरा पिता ज्योतिस्वरुप परमात्मा शिव है यह स्मृति रखने से आंतरिक सशक्तिकरण होगा। राजयोग मेडिटेशन हमारे मनोबल को आध्यात्मिक शक्ति से भरपूर करता है। ऐसी स्थिति में मन में सकारात्मक व निष्पक्ष भावनाओं को बल मिलता है।

ब्रह्माकुमारी संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर ने कहा कि सर्व समस्याओं की जड़ है देह अभिमान। स्वयं को आत्मा समझने से अनेक समस्याओं से सहज ही बचा जा सकता है।

प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु.मोहन सिघल ने कहा कि जो दूसरों को क्षमा करना जानता है वही सदा खुश रह सकता है। भूतकाल व भविष्य की चिन्ताओं से मुक्त वर्तमान में जीने वाले का जीवन ही उत्सव बन जाता है।

प्रो.स्वामीनाथन ने कहा कि समय के अनुसार जो परिवर्तन होती जाए वह जनरल नालेज है और जो सनातन सत्य है जो चिरकाल से अपरिवर्तनशील है वही नालेज है। हम भगवान से ज्ञान की कामना करते हैं सामान्य ज्ञान की नहीं।

इस कार्यक्रम को ब्र.कु.भरत, ब्र.कु.पीयूष ने भी सम्बोधित किया।

सदस्यता शुल्क

भारत - वार्षिक 170 रूपये,
तीन वर्ष 510 रूपये
आजीवन 4000 रूपये
विदेश - 2000 *रूपये (वार्षिक)*

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज्, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry for Membership and complain (m)-09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

AJHIN/2000/721 LINCENCE TO POST WITHOUT PRE PAYMENT UNDER TECH/W R /47-9/2009-2011 Postal Regd.No.RJ/SRO/9623/2009-2011, Posted at SHANTIVAN P.O.
संपादक:ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, सत्वाधिकार-प्रकाशक:ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। DT. 22nd,24th&10th,12th